जयपुर के झोटवाड़ा क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का नया आध्यात्मिक सेवाकेन्द्र

'प्रभु गुंजन भवन' समाज के आत्म उत्थान के लिए समर्पित

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के यूरोपीय सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने गणमान्य लोगों की मौजूदगी में किया उद्घाटन

भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी हुआ आयोजन

झोटवाड़ा-जयपुर(राज.)। यह 'प्रभु गुंजन भवन' ईश्वरीय सेवाओं को आगे बढ़ाते हुए परमात्मा के हीरे तराशने अर्थात् श्रेष्ठ मानव का निर्माण करने का काम करेगा। रूहानी क्रांति से ही युग परिवर्तन होता है। युग परिवर्तन के इस दौर में कल्याणकारी परमात्मा शिव दुनिया में अपने बच्चों को निमित्त बनाकर काम कर रहे हैं। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के यूरोपीय सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने वृन्दावन कॉलोनी झोटवाड़ा में ब्रह्माकुमारीज़ के 'प्रभु गुंजन भवन' सेवाकेन्द्र के उद्घाटन समारोह में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ज्ञान और योग के ज़रिये परमात्मा के साथ सम्बंध स्थापित करना ही राजयोग मेडिटेशन है। अगर इस राजयोग से इन्द्रियों को वश में कर लिया तो प्रकृति भी मनुष्य की दासी बन जाती है।

ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर सबज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी ने कहा कि आज के तेज़ी से बदल रहे समाज में अपने संकल्प और सोच बदलने की ज़रूरत है। उससे ही दृष्टि और वृत्ति बदलेगी और तब ही आत्म उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज़ के डॉ. सुधीर भंडारी ने कहा कि एक सभ्य समाज में शहरीकरण, औद्योगीकरण, एकल परिवार और इंटरनेट मीडिया एडिक्शन की वजह से एकांकीपन बढ़ा है, आपसी संवाद कम हो रहा है और एकाग्रता की कमी हो रही है। ऐसे में मेडिटेशन केन्द्र होना अपने आप में एक उपचार, चिंता हरण का स्थान है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश मद्रास हाई कोर्ट नागेंद्र कुमार जैन ने कहा कि आज के भौतिक युग में लोग सेल्फ सेंटर्ड हो गए हैं। ऐसे में आज खुद को सुधारने की ज़रूरत है। अनजान के प्रति संवेदना ही मानवता है और यह काम देश और दुनिया में ब्रह्माकुमारी बहनें बखूबी कर रही हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा एवं प्रयागराज सबज़ोन की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वैशाली नगर जयपुर सब ज़ोन के तहत बने 'प्रभु गुंजन भवन' सेवाकेन्द्र के उद्घाटन कार्यक्रम में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आर.एल. रैना, अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसबीर सिंह, जयपुर वैशाली नगर सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रकला दीदी समेत सैंकड़ो लोग व शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने अपनी ढ़ेरों शुभकामनाएं दीं।

'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत कार्यक्रम का आयोजन

नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य से लेकर तन-मन-धन सबको खत्म कर देता है

अम्बिकापुर-चोपड़ापारा(छ.ग.)। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग भारत सरकार एवं ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग के संयुक्त तत्वाधान में संस्थान के नव विश्व भवन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. शैलेष गुप्ता ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य से लेकर तन-मन-धन सबको खत्म कर देता है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति नशा छोड़ता है तो हमें उसको सहयोग देना चाहिए ताकि वो अपनी गंदी आदतों को छोड़ने में सहज सफलता प्राप्त कर सके। साथ ही उन्होंने सभी को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाये जा रहे राजयोग का अभ्यास करने के लिए भी प्रेरित किया। सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने कहा कि किसी भी तरह के विकारी नशे में लिप्त रहने के बजाय ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग को जीवन में अपनायें तथा अच्छे लोगों की संगति करें तभी जीवन में सच्ची खुशी एवं शांति की अनुभूति होगी व जीवन में सकारात्मक परिवर्तन भी आयेगा। उप पुलिस अधीक्षक बहन महालक्ष्मी, जिला समन्वयक क्षय रोग डॉ. श्रवण खुटे, जिला सलाहकार तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम हनी कोटबिल, खण्ड विस्तार परीक्षण अधिकारी लुण्ड्रा ब्लॉक नन्दू, बी.डी.सी. असकला ग्राम जागेश्वर सिंह, उपसरपंच असकला चोलेश्वर सिंह आदि ने अपने विचार रखे। इसके साथ ही सेवाकेन्द्र द्वारा दुर्गा मंदिर गांधी चौक में नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी लगाकर लोगों को जागरुक किया गया तथा असकला ग्राम में भी नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के द्वारा लोगों को नशा न करने के लिए प्रेरित किया

ब्र.कु. विद्या दीदी ने सभी को नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा कराई

आई.टी.बी.पी. के अधिकारियों एवं जवानों ने सीखा राजयोग

लखनऊ-जानकीपुरम(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में आई.टी.बी.पी. एवं नर्सिंग स्टाफ के लिए आयोजित 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्र.कु. डॉ. स्वामीनाथन ने स्ट्रेस मैनेजमेंट के विशेष टिप्स दिए और वाह ज़िन्दगी वाह की रमणीक एक्सरसाइज़ कराते हुए बताया कि तनाव के कारण स्वभाव में नीरसता, उदासी व चिड़चिड़ापन आ जाने से अत्यंत भावुकता आ जाती है। बात-बात में रोना, गुस्सा, नफरत, घृणा का स्वभाव ही बन जाता है। कई बार तो जोश में आकर अपना ही बड़े से बड़ा नुकसान कर लेते हैं जिससे तन व मन दोनों का बैलेंस बिगड़ सकता है। इन सारी बातों का अगर अवलोकन न किया जाये तो परिणामस्वरूप तनाव से पनप रही अत्यंत घातक स्थिति का पता चलता है। डॉ. स्वामीनाथ ने मेडिटेशन का महत्व समझाते हुए वैज्ञानिक प्रमाण भी दिए। उन्होंने बताया कि राजयोग ही एक मात्र मार्ग है शांति और संस्कार परिवर्तन का। आई.टी.बी.पी. के डिप्टी कमांडेंट राजकुमार जी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज स्ट्रेस सभी के जीवन में बीमारी की तरह फैल गया है जिससे ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग के द्वारा लड़ने की शक्ति प्रदान कर रहा है। मौके पर आई.टी.बी.पी. के असिस्टेंट कमांडेंट कुलवंत जी, प्रो. मोहित, ब्र.कु. सुमन बहन सहित आई.टी.बी.पी. के जवान व नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

राजयोग के अभ्यास से ही आयेगी सही निर्णय करने की शक्ति

बैतूल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ भाग्यविधाता भवन सेवाकेन्द्र के प्रथम वर्षगांठ पर 'स्वर्णिम भारत की स्थापना में न्यायविदों की भूमिका' विषयक सम्मेलन में रिटा. हाई कोर्ट जस्टिस बी.डी. राठी ने कहा कि अगर हम आध्यात्मिकता को अपने जीवन में अपना लें और दिन में कुछ समय के लिए भी राजयोग का अभ्यास करें तो हम सही मायने में अंदर से सशक्त होंगे, हमारी बुद्धि शुद्ध होगी तथा हम सही निर्णय कर पाएंगे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार पाण्डे ने अपना अनुभव साझा करते हुए न्याय व्यवस्था

केक काटकर मनाया गया भाग्यविधाता भवन के प्रथम वर्षगांठ का उत्सव तथा विडियो प्रेज़ेंटेशन के द्वारा गत वर्ष हुई सेवाओं को विस्तार से दिखाया गया

में क्या-क्या समस्याएं आती हैं तथा कहां सुधार की आवश्यकता है इस विषय को स्पष्ट किया। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेश ब्रजकिशोर पांडे ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न्यायविदों के लिए हमेशा होते रहने चाहिए ताकि इस वर्ग के लोग अपने निजी जीवन में तनाव मुक्त और भयमुक्त रह सकें। ब्र.कु. अरुणा बहन ने सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। ब्र.कु. सुनीता बहन ने सभी का धन्यवाद किया। मौके पर अधिवक्ता एवं सी.ए. जगमोहन खंडेलवाल, सिविल जज लक्ष्मण ड़ोडवे, सी.जी.एम. धीरेन्द्र मंडलोई, सिविल जज कमलेश मीणा, सिविल जज के.एस. मेढ़ा, अति. जिला न्यायाधीश राकेश बंसल, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सी.ए. राजीव खंडेलवाल, ए.डी.जे. दीपिका मालवी, ए.डी.जे.आदेश मालवी, वरिष्ठ अधिवक्ता आर.के. वर्मा व न्याय जगत से जुड़े अनेक महानुभावों सहित ब्र.कु. मंजू बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd May, 2023
स्वामी - प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org